

आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग, शहीदों को शोक श्रद्धांजलि

हरिभूमि जबलपुर।

पहलगाम में आतंकी घटना के विरोध में शहर में लगातार प्रदर्शन जारी है। हर समाज, हर वर्ग, हर तबका, पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते हुए शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देकर आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसी कड़ी में फ्राईस्ट चर्च स्कूल एल्यूमिनी एसोसिएशन के सदस्य द्वारा पहलगाम के दुःखद घटना के विरोध में काली पट्टी बांधकर एवं दो मिनिट का मौन रखकर शहीद पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। प्रभौर दत्ता, डॉ. इंदर कुमार खन्ना, केके घोष एवं रोहित खन्ना ने ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष यतीन पटेल, सहअध्यक्ष डॉ. वाईसी चाऊ और सचिव रोहित खन्ना मौजूद थे।

महिला मंडल ने निकाला कैडल मार्च



मातृशक्ति महिला मंडल चौक द्वारा पहलगांव में आतंकी घटना के विरोध में एवं घटना का शिकार हुए पर्यटकों श्रद्धांजलि देने कैडल मार्च करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस दौरान मंडल की मंजू वर्मा, मेधा रेकरवार, निशा धोष, सोनिया सोधिया, सरोज शर्मा, रेखा विश्वकर्मा, रुक्मिणी पटेल, नीता शर्मा, स्वाति चौबे, रजनी नामदेव, निशा पटेल, रीता पटेल, रजनी विश्वकर्मा, शालनी गुप्ता, सरला साहू, रिंतु ठाकुर, माया लोधी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

केसरवानी समाज ने निकाला कैडल मार्च



पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में आदर्श केसरवानी वैश्य समाज संगठन हाथीताल द्वारा कैडल मार्च निकालते हुए हादसे का शिकार हुए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। केसरवानी वैश्य समाज के प्रदेश संगठन मंत्री राजेश केसरवानी, हाथीताल क्षेत्रीय समाज के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, केसरवानी वैश्य तरुण समाज प्रदेश मंत्री गोपाल गुप्ता के द्वारा कैडल मार्च निकाला गया। इस दौरान मार्च के दौरान राष्ट्रीय संरक्षक राजीव गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री विजय गुप्ता, यत्नेश केसरवानी, एडवोकेट राकेश केसरवानी, विनय केसरवानी, राहुल केसरवानी, तुलसीदास गुप्ता, आदि लोग मौजूद थे।

पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे

पहलगाम आतंकी घटना के विरोध में फाउंडेशन के फाउंडर धर्मगुरु हजरत सैयद अमिरुल हसन साहब जोबट के निर्देश पर जेड एच फाउंडेशन द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में शहीद हुए विदेशियों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए काली पट्टी बांधकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आतंकवाद और पाकिस्तान का पुला दहन कर सरकार से आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई, पुला दहन का कार्यक्रम में जियाउद्दीन अनवर खान, कारी मुईन, पापन भाई सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।



जिले का सबसे बड़ा आयोजन होगा ग्राम रिवंदा में श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं विशाल भागवत कथा की तैयारी अंतिम चरण में



हरिभूमि न्यूज सिहोरा।

सिहोरा से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित सुप्रसिद्ध भागवतार्च्य डॉ. अनिरुद्धाचार्य की जन्मस्थली ग्राम रिवंदा में 3 मई से 9 मई तक विशाल श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया गया है जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए यज्ञ आयोजन समिति व्यवस्थाओं में कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक

यज्ञ एवं भागवत कथा की जिम्मेदारी आयोजन समिति के पाटन विधायक अजय विश्वाजी एवं बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे को सौंपी गई है। दोनों विधायकों ने समिति के सदस्यों के साथ यज्ञस्थल, भागवत कथा स्थल

एवं भंडारा स्थल का अंतिम चरण में चली तैयारियों का जायजा लिया तथा प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

प्रख्यात कथा वाचक पंडित अनिरुद्ध आचार्य की है जन्मस्थली

गौरतलब है कि जबलपुर जिले में होने जा रही विशाल महायज्ञ एवं कथा में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति को देखते हुए प्रख्यात कथा वाचक पंडित अनिरुद्ध आचार्य की जन्मस्थली होने जा रहे इस आयोजन को लेकर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं ग्रामीण क्षेत्र के विधायक विशेष रूप से अपनी नभ भागिता को प्राथमिकता दे रहे हैं। विधायक प्रणय प्रभात पांडे बहोरीबंद ने कहा यह जिले का सबसे बड़ा आयोजन सबित होगा।

पहलगाम हमले के विरोध में शोक सभा का आयोजन

भेड़ाघाट। तिलवारा घाट रमनगर में लक्ष्मी नारायण मंदिर में चड़ार समाज कल्याण समिति जबलपुर द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निदोष लोगों की जान गई जो अत्यंत दुखद एवं निन्दनीय है यह हमला न केवल देश के हिंदुओं पर था बल्कि देश की अखंडता शांति और एकता पर भी सीधा आघात है इस दर्दनाक घटना के विरुद्ध और शहीदों को शोक श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश चडार रामप्रसाद चडार देवकरण शिव चडार बेदी लाल चडार एवं समाज के गण माननीय नागरिकों की उपस्थिति रही इस तरह की घटना से आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है केंद्र सरकार शीघ्र आतंकवाद का सफाया करें।



भारतीय किसान संघ ने किया धरना प्रदर्शन



तहसीलदार को मुख्यांमंत्रि के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें उपस्थित भारत कोषा श्री कान्त जैन सुशील पराहा महेंद्र सिंह डेलन सिंह कैलाश यादव संदीप पटेल अर्जुन कुशवाहा जितेंद्र सेन राजकुमार राजु रानु आदि उपस्थित थे।

रूपसिंह विकास समिति के अध्यक्ष बने

सिहोरा। श्री महावीर स्वामी समाज कल्याण एवं विकास समिति गढ़विया मोहल्ला के द्विवार्षिक चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। रूपसिंह अध्यक्ष, महेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, गोपाल सिंह ठाकुर सचिव, संतोष सिंह सह सचिव, प्रमोद सिंह कोषाध्यक्ष, रामजी ठाकुर, अजय सिंह, आलोक सिंह सदस्य के रूप में चुने गए। चुनाव अधिकारी प्रकाश सिंह ने सभी सदस्यों को बधाई दी तथा कहा कि मंदिर के विकास में सभी तन मन धन से भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान देंगे अंत में समिति ने पहलगाम हमले पर दुख प्रगट करते हुए दो मिनिट का मौन रखकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।



युवा सेतू थीम पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर एम के श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विकसित भारत अभियान स्पेशल वीक के अंतर्गत यूथसेथिंग ऑफ युवा सेतु थीम पर एन सी सी ऑफिसर डॉ अर्चना नामदेव के निर्देशन में गत दिवस ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें युवा सेतु नेटवर्क को विस्तार से बताया गया व चर्चा के मुख्य विषय - विकसित भारत अभियान, युवा नेटवर्क, युवा सेतु की मजबूती एवं माय भारत ऐप पर एन सी सी कैडेट्स के रजिस्ट्रेशन पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। सेमिनार में दिनांक 1 से 15 अप्रैल तक जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आयोजित विशेष माउंटनिंगरिग कैम्प में शामिल हुए महाविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स - रंजीत गाडरी एवं कनिष्ठा काछी को सफलतापूर्वक कैम्प पूरा कर लौटने पर सभी ने बधाई दी। एवं पहलगाम दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में कैडेट्स एवं वक्ता के मध्य माय भारत ऐप पर पूर्ण हुए रजिस्ट्रेशन नेटवर्क इत्यादि पर इंटरैक्शन प्रोग्राम किया गया। कार्यक्रम में कैडेट्स सहित लगभग 60 सदस्यों की उपस्थिति दर्ज हुई आभार प्रदर्शन अंडर ऑफिसर मीनू द्वारा किया गया।

कृषि विवि में मिलेट प्रसंस्करण पर कौशल विकास कार्यक्रम मिलेट के बेकरी उत्पाद बनाने दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि जबलपुर।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं मिलेट मिशन मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत प्रदत्त परियोजना के तहत खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तीन दिवसीय बबबर का आयोजन किया गया। जिसमें मिलेट्स प्रसंस्करण के अंतर्गत कोदो-कुटकी, सांवा का प्रसंस्करण एवं मिलेट के बेकरी उत्पाद जैसे टोस्ट, कुकीज, ब्रेड, पास्ता, मिलेट्स के फ्लेक्स एवं इनकी मार्केटिंग, फसाई लाइसेंस की प्रक्रिया तथा लघु उद्योग स्थापित करने हेतु मार्गदर्शन एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का समापन अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. अनिता बबबर के



मुख्यआतिथ्य एवं पूर्व अधिष्ठाता डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनिता बबबर ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण महिलाओं हेतु अतिमहत्वपूर्ण है और महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक

सराहनीय कदम है। विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. शुक्ला ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण संयोजक डॉ.

अर्चना पांडे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अल्पना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रभारी डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. हेमंत रंहागडाले सहित प्रशिक्षण में स्व-सहायता समूह की 26 महिला उद्यमियों ने भाग लिया।

निशुल्क उपनयन संस्कार व परिचय सम्मेलन कल

हरिभूमि जबलपुर।

निशुल्क उपनयन संस्कार निशुल्क परिचय सम्मेलन भगवान परशुराम जी का दुग्ध अभिषेक पूजन आयोजित किया गया जिसमें 31 बटुक एवं 24 युवतियां 40 युवक का रजिस्ट्रेशन मंच द्वारा किया गया है अन्य इस जो आना चाहते हैं परशुराम धाम ग्वारीघाट में उपस्थित हो सकते हैं सर्व समाज के द्वारा भगवान परशुराम जी की आरती एवं कन्या पूजन प्रति सप्ताह के अनुसार होगा जगतगुरु राधव देवाचार्य त्रिवेदी अमित बाजपेई शशांक शुक्ला आदि जगत के लिए एक दर्शनशास्त्र है।

उपस्थिति की अपील डॉ अरुण मिश्रा प्रशांत तिवारी रावेन्द्र तिवारी सुधाकर मिश्र यदुवंश मिश्रा सीताराम कुचरानियापुष्पा तिवारी सुधा मिश्रा, डा, स्वा गति का पति निशांत शर्मा सार्थक शर्मा आनंद मोहन शर्मा आभा तिवारी मधुबाला दुबे मीरा दुबे जागृति शुक्ला वनिता तिवारी मिथिलेश तिवारी अनिकेत तिवारी माधव पांडे अनिल दुबे आर,एस पांडे सुशीलात्रिवेदी अन्नपूर्णा बाजपेई आरती शुक्ला राजेंद्र प्रसाद चौबे ई रविंद्र तिवारी जगदीश बाजपेई केके दुबे अनुपम महाराज ने कहा सनातन संस्कृति संपूर्ण जगत के लिए एक दर्शनशास्त्र है।

ब्राह्मण समाज की विशाल मठ्य शोभायात्रा आज

जबलपुर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संख्या पर ब्राह्मण एकता मंच एवं भगवान परशुराम वंशज के नेतृत्व में सकल ब्राह्मण समाज द्वारा मठ्य विराट शोभायात्रा का आयोजन प्रति वर्षजुलैइस वर्ष की अक्षय तृतीया के पूर्व 29 अप्रैल को मालवीय चौक से किया गया है। शोभायात्रा शाम 05 बजे मालवीय चौक से प्रारंभ होकर सतना बिल्डिंग, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लार्डगंज, घमंडी चौक, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, सरका होते हुए कोतवाली थाना के सामने संपन्न होगी। शोभायात्रा में बैंड एवं विप्र समाज रत्नों के तैलचित्रों के साथ विभिन्न झांकियों समिलित होगी। विप्र समाज आतंकवाद का विरोध करते हुए हाथों में आतंकवाद मुर्दाबाद लिखी तख्तियां लेकर चलेगा, शोभायात्रा में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समा, भागवत ब्राह्मण कल्याण समिति, सनाइय ब्राह्मण समा, सनाइय कल्याण परिषद, अमा ब्राह्मण महासभा, अमा भारतीय पकीकृत परिषद, स्वयंसेवक संस्कार मंच, सम्पूर्ण ब्राह्मण कल्याण महासभा, सम्पूर्ण ब्राह्मण मंच, ब्राह्मण मंच, विप्र सेवा मंडल, विप्र जनेऊ मंच, महाराज परशुराम सेना, जगतगुरु द्वाराचार्य सुखनंदचार्य, स्वामी राधवदेवाचार्य महाराज, जगतगुरु स्वामी नरसिंहदास महाराज, स्वामी वैकुण्ठानंद, बुजबिहारी सरकार, डॉ. उमेश द्विवेदी खकरीया वाले मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। विप्र बंधुओं से सपरिवार शोभायात्रा में उपस्थिति की अपील सकल ब्राह्मण समाज ने की है।

हनुमानताल, पनागर, कटंगी और गोरखपुर में वारदातें

पत्थर-लाठी-चाकू चले, 4 घायल

हरिभूमि जबलपुर।



करते हुए के उसके साथ मारपीट कर गर्दन, पीट, हाथ में चोटें पहुंचा दीं तथा जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार गोरखपुर में बदनपुर शक्तिनगर गढ़ा निवासी 24 वर्षीय सोनू राजक नगर निगम कार्यालय जेन 3 इंद्रनगर के सामने बर्फ का ठेला लगाकर ग्राहकों के लिए बर्फ का गोला बना रहा था। रात लगभग 10 बजे दुकान बंद करने के समय उसने पास में ही बैठकर एक पैप पिया और ग्राहकों को बर्फ का गोला बनाकर बेच रहा था। उसके नियमित ग्राहक अब्दू दीपक, क्रिशा और लुकू चक्रवर्ती जो उसके ठेले के पीछे शराब पी रहे थे तभी क्रिशा उसके पास आकर मिल्क शेक बनाने के लिये कहने लगे, उसने पैप शेक बनाकर दिया तो बोला कि मिल्क शेक अच्छा नहीं बना है तभी क्रिशा के साथी अब्दू दीपक और लुकू की आकर उससे शराब पीने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वहीं कटंगी में ग्राम पौड़ी राजघाट निवासी 30 वर्षीय किसान राधवेन्द्र सिंह गत रात लगभग 8 बजे घर के सामने टहल रहा था, तभी गांव का जितेंद्र उर्फ भल्ला लोधी उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग करने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो जितेंद्र उर्फ भल्ला गाली गलौज

हनुमानताल, पनागर, कटंगी और गोरखपुर थाना क्षेत्रों में गंदागी नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने चार युवकों पर पत्थर, लाठी व चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंधी कैप निवासी 32 वर्षीय मजदूर इंद्रपाल चौधरी सोमवार की सुबह लगभग 6 बजे सिंधी कैप स्थित एक होटल में चाय पी रहा था तभी वहां पर टिल्लू चौधरी आया और उससे शराब पीने के लिये 50 रूपये की मांग करने लगा, रूपये देने से मना करने पर टिल्लू चौधरी गाली गलौज करते हुये उसके सिर पर पत्थर से हमलाकर कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। घायल इंद्रपाल को उपचार के लिए विकटोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 125, 119(1), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह पनागर में ग्राम शिवराजपुर माधवनगर जिला कटनी निवासी 25 वर्षीय झुवर दुर्गा पटेल गत रात लगभग 3.30



सिहोरा आबकारी विभाग ने जप्त की 87 हजार की मदिरा

सिहोरा। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर विशेष सतर्कता एवं कठोरता से प्रभावी अंकुश लगाये जाने के मद्देनजर कलेक्टर के निर्देशन में सहायक आबकारी आयुक्त जबलपुर के मार्गदर्शन में वृत्त सिहोरा के एन एच 30 गांधीग्राम में अवैध मदिरा के परिवहन की सूचना पर लगभग 3.30 बजे ज्यूपिटर एम पी 20 जेड एस 8581 से मदिरा का परिवहन करते हुए आरोपी अंकित बर्नन को पकड़ा तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 54 बल्क लीटर देशी व विदेशी मदिरा बरामद कर कब्जे आबकारी विभाग ने कब्जे में लिया। कार्यवाही में जप्त मदिरा व वाहन का अनुमानित मूल्य 87764/- रु है आरोपी के विरुद्ध म. प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क व 34(2)का प्रकरण दर्ज किया गया। कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक श्रेता सिंह तिवारी एवं आबकारी मुख्य आरक्षक नेकलाल बागरी, संत लाल मरावी, फूल सिंह पेंटिआ, अमिता केशरवानी, अशोक सिंह बघेल एवं ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

श्रीमती विमला द्विवेदी- मदनमहल प्रेरमनगर गंगानगर रोड निवासी श्री रघुवर शरण द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला द्विवेदी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री हरिहर नारायण वर्मा- फूटाताल लाल स्कूल के पास निवासी श्री हरिहर नारायण शर्मा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक कोल- माढ़ोताल कोल बस्ती निवासी श्री नर्मई कोल के पुत्र श्री दीपक कोल (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रामीला गीते- दिव्य परिसर पाटन रोड निवासी श्री प्रभाकर गीते की धर्मपत्नी श्रीमती रामीला गीते (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जूली यादव- छोटी ओमती उडिया मोहल्ला निवासी श्री आशीष कुमार यादव की धर्मपत्नी श्रीमती जूली यादव (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अंकुश शर्मा- गुजराती कॉलोनी गंगानगर गढ़ा निवासी

श्री अंकुश शर्मा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री परमू पटेल- लोधी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री परमू पटेल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर

निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती चांदरानी नेव- साउथ सिविल लाइन निवासी श्री चानन लाल नेव की धर्मपत्नी श्रीमती चांदरानी नेव (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोना बाई झारिया- ब्यौहारबाग निवासी श्री खेमराज झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई झारिया (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती अरूणा पटेल- प्रगतिशील कॉलोनी नर्मदा रोड निवासी श्री नटवर लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती अरूणा पटेल (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोहन गुहा- मानेगांव रांजी निवासी श्री मोहन गुहा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सोना बाई झारिया- ब्यौहारबाग निवासी श्री खेमराज झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई झारिया (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि विजी/शेक/उरावन, पगड़ी रम, पुष्पविधि
संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अप्य सभ्य
चित्र सङ्ग्रह- 100/- से.जी. ब्लैक&सफ्ट 300/-
चित्र सङ्ग्रह- 100/- से.जी. रंगीन 400/-
चित्र सङ्ग्रह 100/- से.जी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग-9303108294, 9407362160

अमेरिका जो नहीं कर पाया जापान ने कर दिखाया, बना डाला भविष्य का हथियार 'रेलगन'

टोक्यो। जापान ने अपने इस हथियार को चीन, उत्तर कोरिया और रूस की हाइपरसोनिक मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए तैयार किया है। जापान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस हफ्ते रेलगन की तस्वीरें जारी की हैं।

रेलगन को नेक्स्ट जेनरेशन हथियार माना जाता है, जिसे इस महीने की शुरुआत में योकोसुका बंदरगाह में JS असुका पर समुद्री परीक्षण के लिए रवाना होने से पहले देखा गया था। ऑब्जर्वर्स का कहना है कि जापान अपनी एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने के लिए एडवॉंस हथियारों का निर्माण कर रहा है। इसके साथ ही जापान के पास सबसे एडवॉंस हथियारों वाली नौसेना हो सकती है। रैंड कॉर्पोरेशन के एक वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय रक्षा शोधकर्ता टिमोथी हीथ के मुताबिक, रडस तकनीक का जापानी विकास, चीन की लगातार अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने की वजह से लिया गया है।

चीनी हाइपरसोनिक मिसाइल भी होगी फेल



टिमोथी हीथ के मुताबिक, चीन के पास बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जापान ने इसे बनाया है। ये देश जापान की मिशन बना सकते हैं। हालांकि, पूर्व पीएलए प्रशिक्षक सोंग झोलांगिंग ने साउथ चायना मॉनिंग पोस्ट से कहा कि रपारपरिक तोपखाने की तुलना में, विद्युत चुम्बकीय बंदूक रक्षकों पर हमला करने के लिए एक नए सिद्धांत का उपयोग करती है, और इसकी हमला करने की शक्ति और सटीकता काफी ज्यादा होती है।

चीन समेत कई और देश इसे बनाने की कर रहे कोशिश

अगर जापान इस प्रकार का हथियार विकसित करता है, तो इसका मतलब होगा कि जापान एक आक्रामक रणनीति को शुरू कर चुका है, जो अन्य देशों और क्षेत्र के लिए खतरा काफी गंभीर होगा। आपको बता दें कि जापान का रेल गन विकास कार्यक्रम 2016 में शुरू हुआ था। जबकि चीन समेत कई और देश इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक बना नहीं पाए हैं। अमेरिकी नौसेना ने जहां थकेकर 2021 इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया था, वहीं चीन अभी भी रेलगन बनाने की कोशिश कर रहा है।



रेलगन को क्यों कहा जाता भविष्य का हथियार?

रेलगन एक विद्युतचुंबकीय हथियार प्रणाली है, जो पारंपरिक विस्फोटकों के बजाय विद्युतचुंबकीय फोर्स का इस्तेमाल करता है। इसके जरिए वो प्रोजेक्टाइल को हाइपरसोनिक से दागती है। JS Asuka पर स्थापित यह प्रणाली 40 मिमी स्टील प्रोजेक्टाइल को लगभग 2,500 मीटर/सेकंड (लगभग 5,600 मील/घंटा) की गति से दागने में सक्षम है, जो ध्वनि की गति से लगभग 6.5 गुना तेज है। इसका वजन करीब 8 टन है और इसके बैरल की लंबाई 20 फीट है। इसके प्रोजेक्टाइल का वजन 320 ग्राम और स्पीड 2500 मीटर प्रति सेकंड है। ये लड़ाकू विमान और हाइपरसोनिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है।

रोचक खबरें

कढ़ाई में एक साथ बना डाली रोटी-सब्जी देसी जुगाड़ का वीडियो वायरल



सोशल मीडिया पर अक्सर देसी जुगाड़ के वीडियो वायरल होते रहते हैं। वीडियो देख यूजर्स हैरान हो जाते हैं। उन्हें समझ नहीं आता कि इस पर प्रतिक्रिया क्या दें, एक पल को वो हैरान हो जाते हैं। वहीं, दूसरे पल में उनकी हंसी निकल जाती है। वह वीडियो देख हंसी से लोटपोट हो जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रोटी और सब्जी दोनों एक साथ बना रहा : वीडियो जिसे mr_umesh0018 नाम के यूजर्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है में दिखाया गया है कि एक शाख एक ही कढ़ाई में एक ही समय पर रोटी और सब्जी दोनों बना रहा है। कढ़ाई जिसे आम तौर पर सब्जी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है में शाख रोटी भी पका रहा है। वो भी सब्जी के साथ ही।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि शाख ने कढ़ाई के अंदरूनी हिस्से को दो भाग में बांट रखा है। उसने गूंधे हुए आटे से कढ़ाई के अंदर एक पार्टिसन बना रखा है। एक तरफ वो आलू की सब्जी बना रहा है। वहीं, दूसरी तरफ वो रोटियां सेंक रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया। पोस्ट किए जाने के बाद से अब तक वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं। वीडियो को एक लाख से अधिक लोगों ने लाइक किया है।

जानवरों से लड़ते थे रोमन ग्लेडिएटर्स...

प्राचीन कब्रिस्तान से मिला योद्धा का कंकाल

लंदन। वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन में एक दिलचस्प खोज की है। वैज्ञानिकों को इंग्लैंड के यॉर्क शहर में एक पुराना कब्रिस्तान मिला है। यह कब्रगाह 1,825 से 1,725 साल पुरानी है। इसमें एक युवक का कंकाल मिला है, जिसकी मौत के समय उम्र 26 से 35 साल के बीच रही होगी। उसके कंकाल पर किसी बड़े जानवर के काटने के निशान हैं।



वैज्ञानिकों का मानना है कि यह निशान शेर के काटने का है। इस खोज के आधार पर वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि रोमन साम्राज्य का प्रभाव ब्रिटेन तक फैला था। इससे यह भी पता चलता है कि उस समय ग्लेडिएटर्स (योद्धाओं) और जानवरों के बीच लड़ाई होती थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यॉर्क आर्कियोलॉजिकल ट्रस्ट के नेतृत्व में 2010 में इस कब्रगाह की खोज हुई थी। शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा कि युवक की पेल्विस यानी कूल्हे की हड्डी पर निशान किसी मांसाहारी जानवर के हैं। काफी लंबी जांच के बाद पता चला कि ये निशान शेर के काटने के हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क की मालिन होल्स्ट ने कहा कि इस खोज से पता चलता है कि कब्रगाह में दफन लोग ग्लेडिएटर्स थे, ये सैनिक या गुलाम नहीं थे।

34 हजार में खरीद लिया फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के जहाज का मलबा

सोशल मीडिया पर कभी-कभी ऐसे सौदे हो जाते हैं जो सुनकर यकीन करना मुश्किल होता है। ऐसा ही कुछ हुआ ब्रिटेन के डॉम रॉबिन्सन के साथ, जिन्होंने सिर्फ 34 हजार रुपये (300 पाउंड) में एक वर्ल्ड वॉर-1 के डूबे हुए जहाज का मलबा खरीद लिया। जी हां, ये सौदा हुआ फेसबुक मार्केटप्लेस पर और जहाज भी कोई मामूली नहीं, बल्कि 330 फुट लंबा और 3,300 टन वजन की कार्गो शिप एसएस एलमंड ब्रांच था। ब्रिटेन के डॉम रॉबिन्सन को जहाजों से बचपन से लगाव रहा है। वो समुद्र में डूबे जहाजों की खोज करते हैं और खुद डाइविंग कर के उन्हें देखते हैं। एक दिन फेसबुक पर उन्हें एसएस एलमंड ब्रांच का विज्ञापन दिखा जो 1917 में जर्मन सबमरीन द्वारा डूबा दिया गया था। डॉम ने बिना देखा 300 पाउंड देकर इस खरीद लिया। डॉम कहते हैं, 'जब आप किसी डूबे जहाज में उतरते हैं और जानते हैं कि उसका मालिक आप हैं तो उसका अलग ही एहसास होता है।' वो बताते हैं कि उन्हींने पिछले कुछ सालों में करीब 20 से 25 शिपब्रेक खोज निकाले हैं और हर जहाज के पीछे एक अनोखी कहानी होती है। जहां डॉम इस खरीद से बेहद खुश हैं वहीं उनकी पत्नी सुजी का रिएक्शन बिचकल अलग था। डॉम ने मजाक में कहा, 'जब मैंने उसे बताया कि मैंने जहाज खरीद लिया है तो वो गुस्से से लाल हो गई। उसने इसे पैसे की बर्बादी कहा।' हालांकि डॉम को मलबे से पैसे कमाने की उम्मीद नहीं है, लेकिन वो एसएस एलमंड ब्रांच की घंटी बूंदना चाहते हैं। उनका कहना है, 'अगर किसी को घंटी मिले, तो उसे सरकार के 'रिसीवर ऑफ ब्रेक' को बताना होगा और मुझसे पूछा जाएगा कि क्या मैं उसे रखना चाहता हूँ।



उन्हें एसएस एलमंड ब्रांच का विज्ञापन दिखा जो 1917 में जर्मन सबमरीन द्वारा डूबा दिया गया था। डॉम ने बिना देखा 300 पाउंड देकर इस खरीद लिया। डॉम कहते हैं, 'जब आप किसी डूबे जहाज में उतरते हैं और जानते हैं कि उसका मालिक आप हैं तो उसका अलग ही एहसास होता है।' वो बताते हैं कि उन्हींने पिछले कुछ सालों में करीब 20 से 25 शिपब्रेक खोज निकाले हैं और हर जहाज के पीछे एक अनोखी कहानी होती है। जहां डॉम इस खरीद से बेहद खुश हैं वहीं उनकी पत्नी सुजी का रिएक्शन बिचकल अलग था। डॉम ने मजाक में कहा, 'जब मैंने उसे बताया कि मैंने जहाज खरीद लिया है तो वो गुस्से से लाल हो गई। उसने इसे पैसे की बर्बादी कहा।' हालांकि डॉम को मलबे से पैसे कमाने की उम्मीद नहीं है, लेकिन वो एसएस एलमंड ब्रांच की घंटी बूंदना चाहते हैं। उनका कहना है, 'अगर किसी को घंटी मिले, तो उसे सरकार के 'रिसीवर ऑफ ब्रेक' को बताना होगा और मुझसे पूछा जाएगा कि क्या मैं उसे रखना चाहता हूँ।

सेलिब्रेट आईपीएल में चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए कितने पैसे मिलते हैं?

एमआई, सीएसके या आरसीबी कौन सी टीम देती है सबसे ज्यादा रकम

नई दिल्ली। आईपीएल में चौके-छक्के पड़ें या कोई विकेट गिरे, किसी न किसी टीम के लिए सेलिब्रेशन का मौका बन ही जाता है। इस मौके को फैंस तो सेलिब्रेट करते हैं, साथ ही स्टेडियम में फायर क्रैकर्स के जरिए भी टीम का उत्साह नजर आता है। साथ ही हर एक टीम की चीयरलीडर्स भी अपनी टीम के लिए खुशी से नाचती नजर आती हैं। सभी टीम अपनी फ्रेंचाइजी के लिए चौके-छक्के सेलिब्रेट करने के लिए चीयरलीडर्स हायर करती हैं। मैच के दौरान दोनों टीमों के चीयरलीडर्स स्टेडियम में मौजूद होते हैं। बल्लेबाजी करने वाली टीम के चौके-छक्के पड़ते हैं तो उस टीम के चीयरलीडर्स खुशी से नाचने लगते हैं। वहीं अगर गेंदबाजी करने वाली टीम विकेट ले लेती है तो इस बात का सेलिब्रेशन चीयरलीडर्स के डांस मूव में नजर आता है।



चीयरलीडर्स को मिलते हैं कितने पैसे?

आईपीएलएसएन डॉट कॉम के मुताबिक, चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए 12 हजार रुपये से लेकर 24 हजार रुपये तक मिलते हैं। चीयकलीडर्स की सैलरी में टीम के मुताबिक बदलाव देने को मिलता है। कोलकाता नाइट राइडर्स अपनी चीयरलीडर्स को सबसे ज्यादा सैलरी देती है। KKR चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए करीब 24 हजार रुपये देती है।



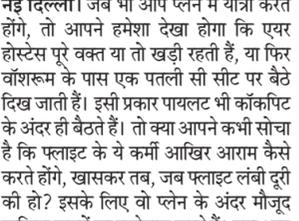
चीयरलीडर्स को मिलते हैं ये बेनिफिट्स

चीयरलीडर्स को सैलरी के अलावा भी एडिशनल बेनिफिट्स मिलते हैं। कुछ फ्रेंचाइजी टीम के जीतने पर या चीयरलीडर्स के परफॉर्मंस पर एडिशनल बेनिफिट्स भी देती हैं। इसके अलावा चीयरलीडर्स के आने-जाने का खर्च और खाने-पीने का खर्च भी फ्रेंचाइजी ही उठाती हैं। चीयरलीडर्स की सैलरी के ये आंकड़े पिछले आईपीएल सीजन के मुताबिक हैं। आईपीएल 2025 के लिए चीयरलीडर्स की सैलरी में कुछ अंतर हो सकता है।

एक मैच के लिए 20 हजार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और मुंबई इंडियंस इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। आरसीबी और एमआई अपनी टीम की चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए करीब 20 हजार रुपये देती हैं। वहीं आईपीएल की बाकी टीमों में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) समेत सभी फ्रेंचाइजी अपनी टीम की चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए 12 हजार रुपये से 17 हजार रुपये के बीच में देती हैं।

प्लेन के अंदर होता है सीक्रेट कमरा, पर कमी नहीं आता नजर ऐसा मंदिर जहां भगवान के दर्शन की इजाजत नहीं



नई दिल्ली। जब भी आप प्लेन में यात्रा करते होंगे, तो आपने हमेशा देखा होगा कि एयर होस्टस पूरे वक्त या तो खड़ी रहती हैं, या फिर वॉशरूम के पास एक पतली सी सीट पर बैठे दिख जाती हैं। इसी प्रकार पायलट भी कॉकपिट के अंदर ही बैठते हैं। तो क्या आपने कभी सोचा है कि फ्लाइट के ये कर्मी आखिर आराम कैसे करते होंगे, खासकर तब, जब फ्लाइट लंबी दूरी की हो? इसके लिए वो प्लेन के अंदर मौजूद खुफिया कमरों का इस्तेमाल करते हैं। क्या आप जानते हैं कि ये कमरा कहाँ होता है और नजर में क्यों नहीं आता?



सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जो लंबी दूरी के प्लेन होते हैं, उनमें सीक्रेट कम होते हैं। इन रूमों में कर्मचारी जाकर आराम कर सकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन कमरों को आम यात्री नहीं देख सकते हैं।

खुफिया कमरे में करते हैं आराम

नए हिमानों में ये बेडरूम मुख्य कैबिन के ऊपर होता है वहीं पुराने प्लेनों में ये कॉकपिट के पास होता है। यूनाइटेड एयरलाइन्स फ्लाइट अटेंडेंट सुजेन कार ने सीएनएन से बात करते हुए कहा कि वो बोइंग 787, 777 और 767 विमान में आप दिन यात्रा करती हैं। एयर होस्टस ने कहा कि कई बार यात्रियों को लगता है कि उन कमरों के दरवाजे असल में वॉशरूम के दरवाजे हैं, इसलिए वो अंदर जाने की कोशिश करते हैं पर फिर उन्हें वो सही रास्ता दिखा देती हैं।

देहरादून। उत्तराखंड को देवभूमि यूं ही नहीं कहा जाता। यहाँ हर पहाड़, नदी, मंदिर अपने आप में कोई न कोई रहस्य समेटे हुए है। उत्तराखंड में कई खूबसूरत हिल स्टेशन तो हैं ही साथ ही, यह राज्य देवों का भी स्थान है। देवभूमि में देवी के धर्म भाई हैं। दर-असल वाण गांव में हर 12 साल में बड़ी पैदाव यात्रा होती है जिसे नंदा देवी राजजात कहा जाता है उसमें वाण गांव 12वां पड़ाव होता है और माना जाता है कि लाटू देवता खुद इस यात्रा में अपनी बहन नंदा देवी का स्वागत करने आते हैं और उन्हें हेमकुंड तक पहुंचाते हैं।



मंदिर का इतिहास

लाटू मंदिर उत्तराखंड के चमोली जिले में देवाल हॉलक के वाण गांव में स्थित है। इस मंदिर में लाटू देवता की पूजा होती है। ये जगह नंदा देवी राजजात यात्रा का एक अहम पड़ाव भी है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, लाटू देवता नंदा देवी के धर्म भाई हैं। दर-असल वाण गांव में हर 12 साल में बड़ी पैदाव यात्रा होती है जिसे नंदा देवी राजजात कहा जाता है उसमें वाण गांव 12वां पड़ाव होता है और माना जाता है कि लाटू देवता खुद इस यात्रा में अपनी बहन नंदा देवी का स्वागत करने आते हैं और उन्हें हेमकुंड तक पहुंचाते हैं।

साल में एक बार खुलते हैं कपाट

इस मंदिर को एक और विशेषता है कि इसके द्वार साल भर में केवल एक बार ही खुलते हैं। दर-असल, लाटू देवता मंदिर के कपाट वैशाख महीने की पूर्णिमा तिथि के दिन खुलते हैं। कपाट खुलते ही यहां श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ती है। लेकिन उस दिन भी कोई श्रद्धालु मंदिर के अंदर नहीं जा सकता। जब पुजारी मंदिर खोलते हैं तो वे अपने आंखों और मुंह पर पट्टी बांधते हैं।

इस वजह से आंख पर पट्टी बांधकर की जाती है पूजा

लाटू मंदिर से जुड़ी सबसे बड़ी मान्यता यह है कि मंदिर के भीतर नागराज अपनी चमत्कारी मणि के साथ विराजमान हैं। इसे देख पाना किसी के बस की नहीं है। यह मणि इतनी तेज रोशनी छोड़ती है कि अगर कोई उसे देखे तो अंधा हो सकता है। यही वजह है कि पुजारी भी आंखों पर पट्टी बांधकर मंदिर में प्रवेश करते हैं। वहीं, गुह पर पट्टी बांधने का कारण यह है कि पुजारी को सांस या कोई भी गंध नागराज तक न पहुंचे और उनकी विषैली गंध पुजारी को नुकसान न पहुंचाए। कहा जाता है कि अगर कोई इंसान इस मणि को छुड़ा दे, तो दुनिया का कल्याण ही सकता है। लेकिन अब तक ऐसा करना किसी के बस की बात नहीं रही है।

फिल्म लोग थियेटर में हो जाते थे बेहोश, करते थे उल्टियां, बाहर खड़ी रहती थी एंगुलेस

50 सालों में नहीं बनी पाई इससे भयानक हारर मूवी, कई देशों में बैन

जब भी हॉरर फिल्मों की बात होती है, तो यह जॉनर सबसे रोमांचक माना जाता है। लोग डर का एक्सपीरियंस लेने के लिए हॉरर फिल्में देखते हैं, और हॉलीवुड इस जॉनर में काफी आगे रहा है। भारत में भी हॉलीवुड की हॉरर फिल्में खूब पसंद की जाती हैं। साउथ में जहां हॉरर-थ्रिलर फिल्में देखने को मिलती हैं वहीं बॉलीवुड में हॉरर-कॉमेडी का चलन बढ़ा है। खी, मुन्ग्या, रूही जैसी कई हॉरर-कॉमेडी फिल्मों ने अपना जलवा वॉक्स ऑफिस पर दिखाया है। लेकिन हॉरर फिल्मों के इतिहास में एक फिल्म ऐसी भी है, जिसे अब तक की सबसे डरावनी फिल्म माना जाता है और ये फिल्म एकलौती हॉरर मूवी है जिसे ऑस्कर अवार्ड भी मिला है। फिल्म का नाम है 'द एक्सोरसिस्ट' जिसे 1973 में रिलीज किया गया था। इसे हॉरर जॉनर की सबसे प्रभावशाली और खौफनाक फिल्मों में से एक माना जाता है। यह फिल्म इतनी डरावनी थी कि इसे कई देशों में बैन कर दिया गया था।



ऑस्कर जीतने वाली हॉरर फिल्म 'द एक्सोरसिस्ट'

'द एक्सोरसिस्ट' हॉरर जॉनर की पहली ऐसी फिल्म बनी जिसे ऑस्कर अवार्ड से नवाजा गया। इस फिल्म को कई केंटेगरी में नामिनेशन मिले थे और इसे Best Adapted Screenplay के लिए ऑस्कर दिया गया। यह हॉरर फिल्मों के लिए एक ऐतिहासिक पल था, क्योंकि आमतौर पर इस जॉनर की फिल्में ऑस्कर की दृष्टि में कम ही शामिल होती हैं। कहां देख सकते हैं 'द एक्सोरसिस्ट' : अगर आप असली हॉरर का एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं तो 'द एक्सोरसिस्ट' जरूर देखें। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है, लेकिन इसे देखने के लिए आपको अलग से 119 रुपये का रेंट देना होगा, भले ही आपके पास प्राइम का सब्सक्रिप्शन है। आप इसे यूट्यूब पर 120 रुपये में और एप्पल टीवी पर 129 रुपये में देख सकते हैं।

सच्ची घटना पर आधारित है फिल्म 'द एक्सोरसिस्ट'

'द एक्सोरसिस्ट' विलियम पीटर ब्लैटी के नॉवेल पर आधारित है, जिसे उन्होंने खुद स्क्रीप्ट में तब्दील किया था। दिवचक्रप बात यह है कि यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जब यह फिल्म रिलीज हुई, तो हॉलीवुड के मेकर्स को इसकी सफलता को लेकर शक था। इसलिए इसे पहले सिर्फ 25 सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। लेकिन फिल्म को जाबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और फिर इसे दुनियाभर में रिलीज किया गया। कुछ रिपोटर्स में दावा किया जाता है कि, 'द एक्सोरसिस्ट' इतनी डरावनी थी कि इसे देखने के दौरान सिनेमा हॉल में कई दर्शकों की हालत बिगड़ गई थी।

